[14-A] Seat No. __________ No. of printed page: 01

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M. A. (III Semester) (NC) (Hindi) Examination 2017
Wednesday, 19th April
02.00 am - 05.00 pm
PA03CHIN01 - भारतीय काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना

कुल गुण : ७०

प्र.१ 'रस' का अर्थ समझाते हुए उसके अंगो पर विचार कीजिए। (१८)

अथवा

प्र.१ 'रस निष्पत्ति' के विषय में व्याख्याता आचार्यों के अभिमत का परिचय दीजिए।

प्र.२ 'अलंकार' का अर्थ स्पष्ट करते हुए अर्थालंकार के वर्गीकरण की चर्चा कीजिए। (१७)

अथवा

प्र.२ 'वक्रोक्ति' के विषय में कुन्तक की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

प्र.३ हिन्दी काव्यशास्त्रीय चिंतन के विकास पर एक निबंध लिखिए। (१७)

अथवा

प्र.३ आधुनिक हिन्दी आलोचना के विकास मे रामचन्द्र शुक्ल के आलोचनात्मक योगदान पर प्रकाश डालिए।

प्र.४ टिप्पणी लिखिए। (२x९) (१८)

(क) आलोचक रामविलास शर्मा

अथवा

सर्वांग निरुपक हिन्दी लक्षणग्रंथ

(ख) अभिधामूला ध्वनि

अथवा

रस का स्वरुप

☺☺☺☺☺

[74] Seat No. ____________ No. of printed pages : 1

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M.A. (III Semester) Examination
Friday, 7th April 2017
2.00 pm - 5.00 pm
PA03CHIN02 : Hindi
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल के पूर्व)

Total Marks: 70

प्र.१ हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन परंपरा पर प्रकाश डालिए । (१७)

अथवा

प्र.१ आदिकाल की पृष्ठभूमि बताते हुए नामकरण और कालविभाजन पर प्रकाश डालिए ।

प्र.२ 'भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्णकाल है ।' इस कथन को भक्तिकाल के आधार पर समझाइए । (१८)

अथवा

प्र.२ संत साहित्य की विशेषताएँ लिखिए ।

प्र.३ सगुणमार्ग की कृष्णभक्ति शाखा की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए । (१७)

अथवा

प्र.३ रीतिबद्ध काव्यधारा का परिचय देते हुए कवि बिहारी के योगदान की चर्चा कीजिए ।

प्र.४ किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए । (१८)

(अ) रासो साहित्य ।
(ब) कवि जायसी ।
(क) कवि तुलसीदास ।
(ड) कवि घनानंद ।

*****

[95] Seat No. ________ No. of printed pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M.A. (HINDI) (III Semester) (NC) Examination
Monday, 10th April 2017
2.00 p.m. to 5.00 p.m.
PA03CHIN03 : छायावादी काव्य

सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य है । शिरोरेखा अनिवार्य है ।

कुल गुण : ७०

प्र.१ भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से कामायनी के 'चिन्ता' सर्ग की समीक्षा कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.१ निराला की 'कुकुरमुत्ता' कविता के वर्ण्य विषय पर प्रकाश डालिए ।

प्र.२ सुमित्रानंदन पंत की 'परिवर्तन' कविता का काव्यरूप स्पष्ट करते हुए इस कविता की विशेषताएँ बताइए । (१७)

अथवा

प्र.२ पठित कविताओं को केन्द्र में रखते हुए महादेवी वर्मा की काव्यकला को समझाइए

प्र.३ टिप्पणी लिखें **(किन्हीं दो)** (१८)

(१) छायावादी काव्य में जयशंकर प्रसाद का स्थान एवं महत्त्व
(२) निराला का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व
(३) सुमित्रानंदन पंत के काव्य में प्रकृति चित्रण
(४) महादेवी वर्मा के काव्य में वेदना और रहस्यभावना

प्र.४ ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए । (१८)

(क) टूट गया वह दर्पण निर्मम
उसमें हँस दी मेरी छाया, मुझ में रो दी मेरी माया
अश्रु-हास ने विश्‍व सजाया, रहे खेलते आँख मिचौनी
प्रिय जिसके परदे में 'मैं' 'तुम'
टूट गया वह दर्पण निर्मम

अथवा

(क) कनक छाया में जबकि सकाल
खोलती कलिका उर के द्वार,
सुरभि पीड़ित मधुपों के बाल
तड़प, बन जाते हैं गुंजार;
न जाने ढुलक ओस में कौन
खींच लेता मेरे दृग मौन !

(ख) और देखा वह सुन्दर दृश्य नयन का इंद्रजाल अभिराम;
कुसुम-वैभव में लता समान चंद्रिका से लिपटा घनश्याम ।
हृदय की अनुकृति बाह्य उदार एक लंबी काया उन्मुक्त;
मधु पवन क्रीडित ज्यों शिशु साल सुशोभित हो सौरभ संयुक्त ।

अथवा

हो गया ब्याह, आत्मीय स्वजन,
कोई थे नहीं, न आमन्त्रण
था भेजा गया, विवाह-राग
भर रहा न घर निशि-दिवस जाग;
प्रिय मौन एक संगीत भरा
नव जीवन के स्वर पर उतरा ।
माँ की कुल शिक्षा मैंने दी,
पुष्प-सेज तेरी स्वयं रची,
सोचा मन में, "वह शकुन्तला,
पर पाठ अन्य यह, अन्य कला ।"

===XXX===

[85] Seat No. ________ No. of printed page : 1

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M.A. (HINDI) (III Semester) Examination
Saturday, 15th April 2017
2.00 p.m. to 5.00 p.m.
HINDI
PA03EHIN03 : मीडिया लेखन और अनुवाद

कुल गुण : ७०

प्र.१ जनसंचार के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.१ रेडियो नाटक की चर्चा अपने शब्दों में कीजिए । (१७)

प्र.२ पटकथा-लेखन पर प्रकाश डालिए । (१८)

अथवा

प्र.२ विज्ञापन की भाषा की सोदाहरण चर्चा कीजिए । (१८)

प्र.३ अनुवाद के स्वरूप को उजागर कीजिए । (१७)

अथवा

प्र.३ अनुवाद की प्रक्रिया को समझाइए । (१७)

प्र.४ सारानुवाद क्या है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । (१८)

अथवा

प्र.४ विज्ञापन में अनुवाद की भूमिका समझाइए । (१८)

▽▽▽

SEAT No.________

1

[71]

SARDAR PATEL UNIVERSITY

M.A. IIIrd Sem.(Hindi) EXAMINATION (NC)

Tuesday,18th April-2017

02-00 p.m.to 5-00 p.m.

PA03SHIN03

साहित्य विधा स्वरूप और पुस्तक समीक्षा

पूर्णांक : 70

प्रश्न-1. आँचलिक उपन्यास की विकास यात्रा को उजागर कीजिए।

अथवा (17)

प्रश्न-1. आत्मकथा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(18)

प्रश्न-2. नुक्कड़ नाटक को परिभाषित करते हुए नुक्कड़ नाटक की विशेषताएं समझाइए।

अथवा

प्रश्न-2. महाकाव्य के स्वरूप की चर्चा कीजिए।

प्रश्न-3. 'ग्लोबल गाँव के देवता' उपन्यास की तात्विक समीक्षा कीजिए।

अथवा (17)

प्रश्न-3. 'नये इलाके में' काव्य संग्रह में संकलित कविताओं के भाव पक्ष को उजागर कीजिए।

प्रश्न-4. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए- (18)

क. जीवनी का स्वरूप

अथवा

रंग नाटक का स्वरूप

ख. 'ग्लोबल गाँव के देवता' की प्रमुख समस्या

अथवा

अरुण कमल का जीवन परिचय

—x—x—